



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 80]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 29, 2010/चैत्र 8, 1932

No. 80]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 29, 2010/CHAITRA 8, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 मार्च, 2010

जांच शुरुआत (निर्णायक समीक्षा)

विषय : चीन जन. गण. तथा स्वीडन के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटॉल पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से संबंधित निर्णायक समीक्षा की शुरुआत।

सं. 15/3/2010-डीजीएडी.—यतः वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतद्पश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन. गण. और स्वीडन (जिन्हें आगे सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित पेंटाएरीथ्रिटॉल (जिसे आगे सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम 2-2-2006 की अधिसूचना सं. 14/16/2004-डीजीएडी के तहत प्रकाशित किए गए थे। प्राधिकारी के जांच परिणामों के आधार पर राजस्व विभाग द्वारा दिनांक 20-4-2006 की अधिसूचना सं. 37/2006 के जरिए सम्बद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था।

2. निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

यतः सीमा-शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9क(5) के अनुसार जब तक पहले ही समाप्त न कर दिया जाए, पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण की तारीख से पाँच वर्ष की अवधि के बाद समाप्त हो जाएगा और प्राधिकारी द्वारा यह समीक्षा किया जाना अपेक्षित है कि क्या शुल्क की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति की संभावना है। इस संबंध में वर्ष 2006 की रिट याचिका सं. 16893 में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने निर्णय दिया है कि निर्णायक समीक्षा अनिवार्य है, अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी नियमों के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क(5) के अनुसार यह जांच करने के लिए निर्णायक समीक्षा शुरू करते हैं कि क्या शुल्क की समाप्ति का परिणाम पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति के रूप में होगा।

3. विचाराधीन उत्पाद

विचाराधीन उत्पाद पेंटाएरीथ्रिटॉल है जो एक कार्बनिक यौगिक है और इसका उपयोग एल्कोयल रेजिन्स, रोजिन इस्टर्स, प्लास्टिसाइजर्स, प्रिंटिंग इंक, कृत्रिम रबड़, प्लास्टिक हेतु स्टेबलाइजर मॉडिफाइंग ड्राइंग ऑयकल्स, डेटोनेटर्स, विस्फोटक, भेषज, कोर ऑयल तथा कृत्रिम स्नेहकों

के निर्माण में होता है। पेंटाएरीथ्रिटॉल तकनीकी ग्रेड या नाइट्रेशन ग्रेड का होता है और दोनों ग्रेडों को विचाराधीन उत्पाद तथा प्रस्तावित जाँच के दायरे में शामिल किया गया है।

पेंटाएरीथ्रिटॉल को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार उत्पाद का सम्पूर्ण विवरण 29054210 (डाई-पेंटाएरीथ्रिटॉल) है।

4. प्रक्रिया

1. जाँच से यह निर्धारित किया जाएगा कि क्या उपाय की समाप्ति से पाटन एवं क्षति के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति की संभावना है। प्राधिकारी द्वारा यह जाँच की जाएगी कि क्या पाटन को रोकने के लिए शुल्क का अधिरोपण जारी रखना आवश्यक है और कि यदि शुल्क को समाप्त या उसमें परिवर्तन अथवा दोनों किया जाए तो क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है :—

- (i) समीक्षा में दिनांक 4-2-2005 की अधिसूचना सं. 14/16/2004-डीजीएडी के सभी पहलू शामिल होंगे। इस समीक्षा जाँच में शामिल देश चीन जन. गण. और स्वीडन हैं।
- (ii) वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जाँच की अवधि 1 जनवरी, 2009 से 31 दिसम्बर, 2009 तक है। तथापि क्षति जाँच अवधि में अप्रैल 06 - मार्च 07, अप्रैल 07 - मार्च 08, अप्रैल 08 - मार्च 09 और जाँच अवधि शामिल होगी।
- (iii) उपर्युक्त नियमों के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 आवश्यक परिवर्तनों सहित इस समीक्षा पर लागू होंगे।

II. सूचना प्रस्तुत करना

इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन (40 दिन) के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा पाटन अथवा क्षति या दोनों के जारी रहने की संभावना अथवा पुनरावृत्ति से संबंधित सूचना जो शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता को सिद्ध करती हो, निर्धारित प्रपत्र में (घरेलू उद्योग हेतु आवेदन) प्रस्तुत करना अपेक्षित है। संबद्ध देशों के निर्यातकों, भारत में उनके दूतावासों के जरिए उनकी सरकारों, भारत में उत्पाद से संबंधित समझ जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित को अपने विचारों से अवगत कराने के लिए अलग से लिखा जाएगा :

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य विभाग,
उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011
फैक्स : 91-11-23063418

कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार जाँच से संगत अपने अनुरोध नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रस्तुत कर सकता है। किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी को प्रस्तुत की गई किसी भी गोपनीय सूचना का अन्य पक्षकारों के लिए अगोपनीय सार प्रस्तुत करना अपेक्षित है।

III. समय सीमा

घरेलू उद्योग से सूचना प्राप्त होने पर ऐसे सभी हितबद्ध पक्षकारों, जिनके पते उपलब्ध हैं, को पत्र के जरिए यह परामर्श दिया जाएगा कि वे ऐसे पत्र के जारी होने की तारीख से चालीस दिन (40 दिन) के भीतर प्राधिकारी को उपर्युक्त पते पर अपनी टिप्पणियाँ लिखित रूप में प्रेषित कर दें। ऐसे अन्य हितबद्ध पक्षकार भी घरेलू उद्योग से आवेदन प्राप्त होने की तारीख से 40 दिन के भीतर टिप्पणियाँ/सूचना प्रस्तुत कर सकते हैं जिनके पते उपलब्ध नहीं हैं। इस प्रयोजनार्थ आवेदन का अगोपनीय सारांश सार्वजनिक फाइल में रखा जाएगा। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपर्युक्त नियमों के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

IV. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश रखे हुए हैं। यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित अवधि के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जाँच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 2010

Initiation

(Sunset Review)

Subject: Initiation of Sunset Review Investigation of Anti-dumping duty on import of Pentaerythritol originating in or exported from China PR and Sweden in India.

F.No. 15/3/2010-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) recommended imposition of Anti-dumping Duty on imports of Pentaerythritol (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR and Sweden (hereinafter referred to as subject countries). The final findings notification of the Authority was published vide notification No. 14/16/2004-DGAD dated 02nd February, 2006 respectively. On the basis of the findings, definitive Anti-dumping duties on the subject goods imported from subject countries were imposed by the Department of Revenue vide notifications No. 37/2006 dated 20-4-2006.

2. Initiation of Sunset Review

Whereas in terms of Section 9A(5) the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 the Anti-dumping duty imposed shall unless revoked earlier, cease to have effect on expiry of five years from the date of such imposition and the Authority is required to review, whether the expiry of duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury. In this regard, Hon'ble Delhi High Court in WP No. 16893 of 2006 held that sunset review is mandatory, therefore, the Designated Authority hereby initiate sunset review in accordance with section 9A(5) of the Act read with Rule 23 of Anti-dumping Rules to examine whether cessation of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and injury.

3. Product under Consideration

Product under consideration is Pentaerythritol, an organic compound which finds application in manufacture of Alkyd Resin, Rosin Esters, Plasticizers, Printing Inks, Synthetic Rubber, Stabilizers for Plastics, Modified Drying Oils, Detonators, Explosives, Pharmaceuticals, Core Oils and Synthetic Lubricants. Pentaerythritol can be of technical grade or nitration grade and both grades are included within the scope of product under consideration and proposed investigation.

Pentaerythritol is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. Complete description of the product as per Customs Tariff Act is 29054210 (Di-Pentaerythritol).

4. Procedure

(I) The investigation will determine whether the expiry of the measure would be likely to lead to a continuation or recurrence of dumping and injury. The Authority will examine whether the continued imposition of the duties is necessary to offset dumping and whether the injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied, or both :—

- i. The review will cover all aspects of Notification 14/16/2004-DGAD dated 4-2-2005. The countries involved in this review investigation are China PR and Sweden.
- ii. The period of investigation for the purpose of the present review is from 1st January 09 to 31st December 2009. The injury investigation period will however cover the periods April'2006-March'07, April'2007-March'2008, April'2008-March'2009 and the POI.
- iii. The provisions of Rules 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 and 20 of the Rule supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

(II) Submission of Information :

The Domestic industry is required to submit information on prescribed *pro forma* (Application for Domestic industry) and information on likelihood of continuance or recurrence of dumping and injury or both substantiating the need for continuation of duty within forty days (40 days) of issue of this notification.

The exporters in subject country, their government through their Embassy in India, the importers and users in India known to be concerned would be addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority in the following address:

The Designated Authority
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties
Ministry of Commerce and Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011
Fax: 91-11-23063418

Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

(III) Time Limit :

On receipt of information from domestic industry, all interested parties, whose addresses are available, would be advised through a letter to offer their comments in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of issuance of such letter. Any other interested party, whose address is not available, may also submit comments/ information within 40 days from date application from Domestic industry. For this purpose non-confidential version of the application would be placed in the public file. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

(IV) Inspection of Public File :

In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority